# li NgAShTakaM

# लिङ्गाष्टकम्

## Document Information

Text title : liNgAShTakaM

File name : lingashh.itx

Category : aShTaka, shiva

Location : doc_shiva

Transliterated by : Srinivas Sunder

Proofread by : Srinivas Sunder

Latest update : Feb. 10, 1995, December 3, 2022

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

September 16, 2023

*sanskritdocuments.org*

# लिङ्गाष्टकम्

ब्रह्ममुरारिसुरार्चितलिङ्गम् निर्मलभासितशोभितलिङ्गम् । (निर्मलभाषित)
जन्मजदुःखविनाशकलिङ्गम् तत् प्रणमामि सदाशिवलिङ्गम् ॥ १॥

देवमुनिप्रवरार्चितलिङ्गम् कामदहम् करुणाकर लिङ्गम् ।
रावणदर्पविनाशनलिङ्गम् तत् प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम् ॥ २॥

सर्वसुगन्धिसुलेपितलिङ्गम् बुद्धिविवर्धनकारणलिङ्गम् ।
सिद्धसुरासुरवन्दितलिङ्गम् तत् प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम् ॥ ३॥

कनकमहामणिभूषितलिङ्गम् फणिपतिवेष्टित शोभित लिङ्गम् ।
दक्षसुयज्ञविनाशन लिङ्गम् तत् प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम् ॥ ४॥

कुङ्कुमचन्दनलेपितलिङ्गम् पङ्कजहारसुशोभितलिङ्गम् ।
सञ्चितपापविनाशनलिङ्गम् तत् प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम् ॥ ५॥

देवगणार्चित सेवितलिङ्गम् भावैर्भक्तिभिरेव च लिङ्गम् ।
दिनकरकोटिप्रभाकरलिङ्गम् तत् प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम् ॥ ६॥

अष्टदलोपरिवेष्टितलिङ्गम् सर्वसमुद्भवकारणलिङ्गम् ।
अष्टदरिद्रविनाशनलिङ्गम् तत् प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम् ॥ ७॥ (विनाशित)

सुरगुरुसुरवरपूजित लिङ्गम् सुरवनपुष्प सदार्चित लिङ्गम् ।
परात्परं परमात्मक लिङ्गम्  तत् प्रणमामि सदाशिव लिङ्गम् ॥ ८॥

लिङ्गाष्टकमिदं पुण्यं यः पठेत् शिवसन्निधौ ।
शिवलोकमवाप्नोति शिवेन सह मोदते ॥

॥ ॐ तत् सत् ॥

Encoded and proofread by Srinivas Sunder

*li NgAShTakaM*

pdf was typeset on September 16, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*